an>

Title: Need to name south campus of Banarus Hindu University in the name of Pandit Madan Mohan Malviya Ji.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अभी 25 दिसम्बर को पंडित मदन मोहन मालवीय जी की 153वीं जयंती है। सौभाग्य है कि हमारे आदरणीय नेता श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का भी उसी दिन जन्मदिन है, जिसे हम सुशासन दिवस के रूप में मना रहे हैं। इस अवसर पर मैं आपको बताना चाहता हूं कि पंडित मदन मोहन मालवीय जी जहां राष्ट्रवादी और देश के स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी नेता रहे, वहीं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना उनके जीवन का उल्लेखनीय कार्य है, जो देश और दुनिया में मशहूर है। वहां पर उन्होंने अपने नाम से कुछ भी नहीं किया। केवल मालवीय स्मृति भवन ही उनके नाम से है, जो उनके दिवंगत होने के बाद रहा। उनकी प्रेरणा से मिर्जापुर जिले में 1200 एकड़ जमीन पर हिन्दू विश्वविद्यालय का दक्षिणी परिसर, साउथ कैम्पस बना। उस समय भी यह बात उठी थी कि वह कैम्पस उनके नाम पर बनाया जाये, लेकिन पूर्ववर्ती सरकार के समय में वहां के तत्कालीन कुलपति ने केवल â€¦* वहां कभी जाना भी नहीं हुआ और न ही दर्शन ही हुआ होगा। जिस मदन मोहन मालवीय जी ने देश और दुनिया में इतनी बड़ी कीर्ति बनायी ...(व्यवधान) सबकी मांग है कि मदन मोहन मालवीय जी के नाम पर उस दक्षिणी परिसर का नाम रखा जाये। ...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: That is an allegation that will be expunged. I cannot allow that. The names are to be expunged.